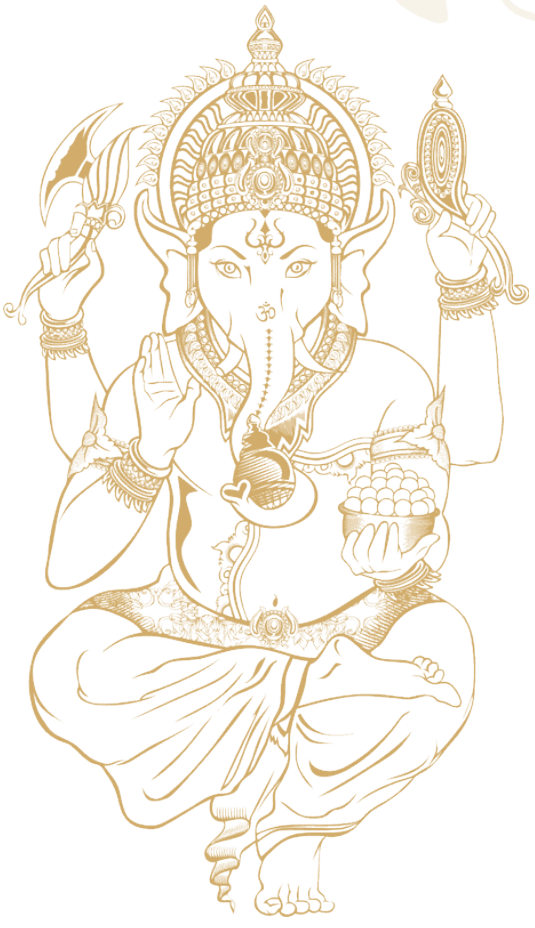

Sonu

18 Jan 2026

11:29 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120973904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/01/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**23:29:00 घंटे**
इष्ट	40:35:25 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:07:52 घंटे
वेलान्तर	-00:10:20 घंटे
साम्पातिक काल	07:00:29 घंटे
सूर्योदय	07:14:50 घंटे
सूर्यास्त	17:48:32 घंटे
दिनमान	10:33:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	04:25:47 मकर
लग्न के अंश	19:05:06 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वज्र
करण	नाग
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	19:05:06	316:42:37	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
सूर्य			मक	04:25:47	01:01:06	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मक	03:31:53	12:29:08	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
मंगल		अ	मक	02:10:05	00:46:38	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	02:32:37	01:39:11	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:45:48	00:07:53	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	07:18:37	01:15:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	मित्र राशि
शनि			मीन	03:12:33	00:05:00	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:17:35	00:06:24	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:17:35	00:06:24	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:21:11	00:00:51	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:35:20	00:01:18	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:03:01	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	19:42:13	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

लग्न-चलित

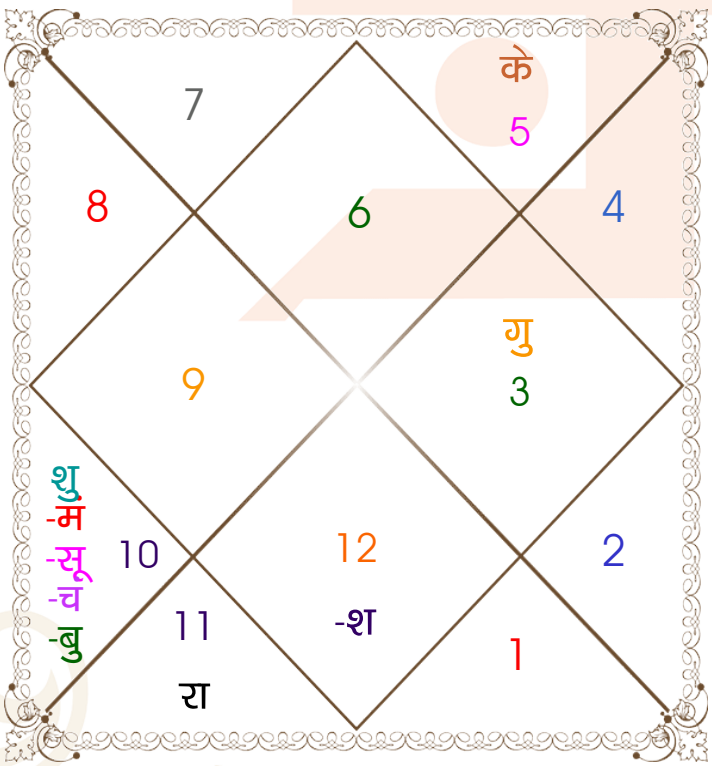

चन्द्र कुंडली

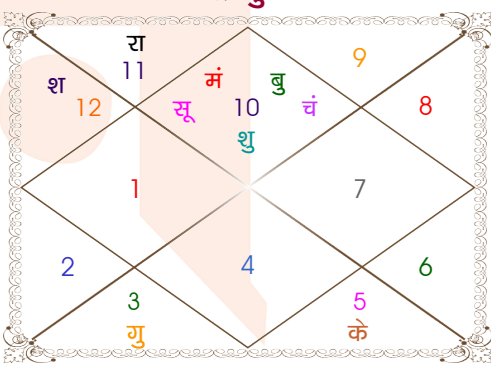

नवमांश कुंडली

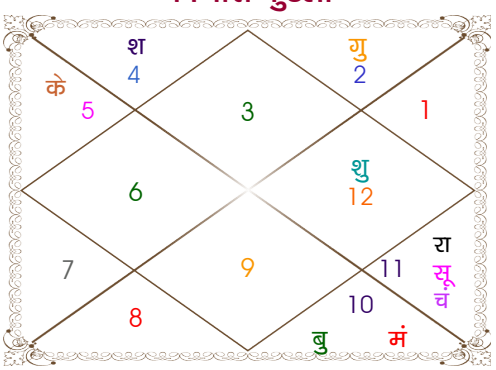

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 10 मास 28 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/01/2026		17/12/2028		17/12/2038		17/12/2045		17/12/2063	
17/12/2028		17/12/2038		17/12/2045		17/12/2063		17/12/2079	
	00/00/0000	चंद्र	17/10/2029	मंगल	15/05/2039	राहु	29/08/2048	गुरु	04/02/2066
	00/00/0000	मंगल	18/05/2030	राहु	02/06/2040	गुरु	23/01/2051	शनि	17/08/2068
	00/00/0000	राहु	17/11/2031	गुरु	09/05/2041	शनि	29/11/2053	बुध	23/11/2070
	00/00/0000	गुरु	18/03/2033	शनि	18/06/2042	बुध	17/06/2056	केतु	30/10/2071
	18/01/2026	शनि	17/10/2034	बुध	15/06/2043	केतु	06/07/2057	शुक्र	30/06/2074
शनि	05/10/2026	बुध	18/03/2036	केतु	11/11/2043	शुक्र	05/07/2060	सूर्य	18/04/2075
बुध	12/08/2027	केतु	17/10/2036	शुक्र	10/01/2045	सूर्य	30/05/2061	चंद्र	17/08/2076
केतु	17/12/2027	शुक्र	18/06/2038	सूर्य	18/05/2045	चंद्र	29/11/2062	मंगल	24/07/2077
शुक्र	17/12/2028	सूर्य	17/12/2038	चंद्र	17/12/2045	मंगल	17/12/2063	राहु	17/12/2079

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/12/2079		17/12/2098		18/12/2115		18/12/2122		18/12/2142	
17/12/2098		18/12/2115		18/12/2122		18/12/2142		00/00/0000	
शनि	20/12/2082	बुध	16/05/2101	केतु	16/05/2116	शुक्र	19/04/2126	सूर्य	07/04/2143
बुध	29/08/2085	केतु	13/05/2102	शुक्र	16/07/2117	सूर्य	19/04/2127	चंद्र	06/10/2143
केतु	08/10/2086	शुक्र	13/03/2105	सूर्य	21/11/2117	चंद्र	18/12/2128	मंगल	11/02/2144
शुक्र	08/12/2089	सूर्य	17/01/2106	चंद्र	22/06/2118	मंगल	17/02/2130	राहु	05/01/2145
सूर्य	20/11/2090	चंद्र	19/06/2107	मंगल	18/11/2118	राहु	17/02/2133	गुरु	24/10/2145
चंद्र	20/06/2092	मंगल	15/06/2108	राहु	06/12/2119	गुरु	19/10/2135	शनि	19/01/2146
मंगल	30/07/2093	राहु	02/01/2111	गुरु	11/11/2120	शनि	18/12/2138		00/00/0000
राहु	05/06/2096	गुरु	09/04/2113	शनि	21/12/2121	बुध	18/10/2141		00/00/0000
गुरु	17/12/2098	शनि	18/12/2115	बुध	18/12/2122	केतु	18/12/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 10 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय है तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित प्राणी हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी व्यक्ति है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आते परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपकी पत्नी बुद्धिमति है तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपके उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकते हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपका अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्याम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकते हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकते हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें। आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति के प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करते रहते हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहते हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए रंग नीला, काला एवं लाल रंग अनुकूल नहीं है। आपको रंगों में पीला, सफेद, हरा एवं सूआपंखी रंग पूर्णतः अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।